देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इन्दौर

प्रेस–विज्ञप्ति

दिनांक 25/01/2020। आज माननीय मंत्री, उच्च शिक्षा, खेल एवं युवा कल्याण, श्री जीतू पटवारी जी की अध्यक्षता में देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के ईएमआरसी में कुलपति, प्रो. रेणु जैन, कुलसचिव, डॉ. अनिल शर्मा, समस्त विभागाध्यक्षों एवं अधिकारियों के साथ एक बैठक आयोजित की गई। बैठक में सर्वप्रथम माननीय कुलपति प्रो. रेणु जैन जी ने माननीय मंत्री जी का स्वागत करते हुए उद्‌बोधन दिया । इसके पश्चात ईएमआरसी के निदेशक डॉ. ए.के. सिंह ने माननीय मंत्री जी के सामने एक पावर–पाईंट प्रेजेन्टेशन के माध्यम से देवी अहिल्या विश्वविद्यालय को उत्कृष्ट विश्वविद्यालय बनाने की दिशा में अपेक्षित कार्य विवरण की प्रस्तुति दी। शारीरिक शिक्षा निदेशालय के निदेशक डॉ. सुनील दुधाले द्वारा महत्वपूर्ण खेल एवं उनके महत्व को दृष्टिगत रखते हुए विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय स्तर का खेल संस्थान बनाने के संबंध में पावर–पाईंट प्रेजेन्टेशन प्रस्तुत किया गया।

माननीय मंत्री श्री जीतू पटवारी जी ने विभागाध्यक्षों से चर्चा करते हुए कहा कि शिक्षा में सुधार लाने हेतु लगातार कार्य करने की आवश्यकता है जिसके लिए शासन पूर्णता प्रतिबद्ध है एवं महत्वपूर्ण कदम उठा रहा है। उन्होने कहा कि यह मेरा कर्तव्य है कि ज्यादा से ज्यादा सहायता उच्च शिक्षा संस्थानों को मिल सके । महाविद्यालयीन शिक्षकों के स्थानांतरण के लिए उचित नीति बनाई जायेगी जिससे शिक्षकों का स्थायित्व हो सके । आगे उन्होने कहा कि ''किसी भी शैक्षणिक संस्थान के विकास में आर्थिक सहायता के साथ ही शिक्षकों की समर्पण भावना भी अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान रखती है। आज के समय में ''पब्लिक–प्राईवेट–पार्टनरशिप माडल'' की अधिक आवश्यकता है। विषयों

में नवाचार की आवश्यकता है। रोजगारमूलक पाठ्यक्रमों के निर्माण हेतु विश्वविद्यालय में शोध कमेटी स्थापित की जानी चाहिए। अधोसंरचना को विकसित करने के लिए शासकीय अनुदान के साथ ही विश्वविद्यालय को अपने स्तर पर संसाधन जुटाने होंगे।'' माननीय मंत्री जी ने आश्वासन दिया कि विश्वविद्यालय द्वारा भेजे गए ''सेंटर ऑफ एक्सीलेंस'' के प्रस्तावों का पुनः परीक्षण कर ग्रांट दिलाई जायेगी। विभागाध्यक्षों द्वारा चर्चा में छात्र–शिक्षक अनुपात के प्रश्न पर माननीय मंत्री जी ने कहा कि ''वर्तमान में मध्यप्रदेश में लगभग 2000 शिक्षकों की कमी है। शासन द्वारा हर वर्ष लगभग 500 नियमित शिक्षकों की भर्ती का निर्णय लिया गया है । साथ ही रोस्टर पर भी काम चल रहा है, इससे उम्मीद है कि छात्र–शिक्षक अनुपात बेहतर होगा।'' उन्होने सलाह दी की विश्वविद्यालय को अपने स्तर पर यू.पी.एस.सी. एवं पी.एस.सी. जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं के छात्रों के लिए मददगार पाठ्यक्रम विकसित करने चाहिए। साथ ही उन्होने कहा ''विश्वविद्यालयों में पूर्णतः आटोमेशन होना चाहिए, इस दिशा में मैं देवी अहिल्या विश्वविद्यालय को सबसे आगे देखना चाहता हूँ।

चर्चा के दौरान विभागाध्यक्षों ने कहा कि विश्वविद्यालय अधिनियम 1973 को बदलकर नया अधिनियम बनाया जाय ताकि शैक्षिक संस्थानों को अधिक स्वायत्तता मिल सके, माननीय मंत्री जी ने भी इसे अति आवश्यक माना। विभागाध्यक्षों ने स्ववित्त संस्थानों के शिक्षकों की समस्याओं से भी माननीय मंत्री जी को अवगत कराया, मंत्री जी ने इस समस्या को शीध्र सुलझाने का आश्वासन दिया। अंत में मंत्री जी ने कहा ''आगामी 5 वर्षो में मैं देवी अहिल्या विश्वविद्यालय को देश के अग्रणी 10 विश्वविद्यालयों में से एक देखना चाहता हूँ।''

डॉ. चन्दन गुप्ता
मीडिया प्रभारी